तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि रत्न भूमि

रायपुर, सोमवार 11 अगस्त , 2025

11 चिकित्सा के नाम पर धर्मांतरण का आरोप, चंगाई सभाओं का...

12 भविष्य में भी ग्रामीणों के विकास में सहयोग...

विडंबना : लालटेन युग में जीने को मजबूर कंवरआमा और नारीपानी के कमार आदिवासी

तुहामेटा-भालूकोना तक बन रही सड़क डेढ़ साल बाद भी है अधूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

देश के विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के विकास के लिए केंद्र सरकार की पीएम जनमन योजना गरियाबंद जिले के मैनपुर क्षेत्र में सवालों के घेरे में है। इस योजना के तहत तुहामेटा से भालूकोना तक बन रही सड़क का काम डेढ़ साल बाद भी पूरा नहीं हुआ है। ठेकेदार ने सड़क पर सिर्फ मिट्टी डालकर छोड़ दिया है, जिससे बारिश में यह रास्ता कीचड़ और दलदल में बदल गया है। इस पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी हो रही है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 19 मार्च 2024 को शुरू हुआ यह काम 12 महीने में पूरा होना था, लेकिन डेढ़ साल बीतने के बाद भी यह अधूरा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस सड़क को नारीपानी और कंवरआमा तक बढ़ाया जाए। ये दोनों गांव पहाड़ी पर बसे हैं और यहां पहुंचने के लिए कोई सड़क नहीं है। यहां तक कि अधिकारी और बड़े नेता भी इन गांवों तक नहीं पहुंच पाते, जिससे विकास कार्य रुक गए हैं। सबसे ज्यादा परेशानी ▶▶|शेष पेज 11 पर

खास बातें

- तहसील मुख्यालय से महज 15 किमी दूर के ग्राम में झरिया का पानी पीने विवश ग्रामीण
- विकास का इंतजार यहां सड़क है न बिजली और न ही पेयजल न ही स्वास्थ्य सुविधाएं
- नारीपानी और कंवरआमा तक सड़क की मांग

बिजली-पानी की भी समस्या

करीब 400 की आबादी वाले कंवरआमा और नारीपानी गांवों में बिजली और पानी की भी भारी कमी है। ग्रामीणों ने कई बार बिजली की मांग की है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी तो लगाई गई है, लेकिन उसमें पानी नहीं आता। गांवों में चार हैंडपंप हैं, जिनमें से सिर्फ दो ही काम कर रहे हैं। इन हैंडपंपों का पानी भी आयरन युक्त और लाल होने के कारण पीने योग्य नहीं है।

प्रदेश में गौधाम योजना लागू, चरवाहों को मानदेय और चारा के लिए बजट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

आवारा और निराश्रित गौवंशों की मौत की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 'गौठान' की जगह अब 'गौधाम' बनाने का फैसला लिया है। वित्त विभाग ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और पशुधन विकास विभाग ने जिलों को आदेश जारी कर दिए हैं। हाल ही में सड़क हादसों में बड़ी संख्या में गायों की मौत के बाद सरकार ने यह कदम उठाया। गौधाम में केवल निराश्रित, घुमंतू और जब्त गौवंश रखे जाएंगे। शासकीय भूमि पर सुरक्षित बाड़ा, पशु शेड, पानी-बिजली और चारागाह की सुविधा होगी। संचालन के लिए पंजीकृत गौशाला समितियों को प्राथमिकता दी जाएगी, अन्यथा NGO, ट्रस्ट या सहकारी समितियों को मौका मिलेगा। चयन का आधार गौसेवा, नस्ल सुधार, जैविक खाद और प्रशिक्षण का अनुभव होगा।गौधाम छत्तीसगढ़ गौसेवा आयोग नियम 2005 के तहत स्थापित होंगे और पंजीकृत गौशालाओं से अलग होंगे। पहले चरण में ये राष्ट्रीय राजमार्ग के पास के ग्रामीण इलाकों में बनाए जाएंगे, ताकि सड़क हादसों में मवेशियों की मौत रोकी जा सके।

प्रत्येक गौधाम में अधिकतम 200 पशु रहेंगे। सरकार इन केंद्रों को गौ-आधारित उत्पाद, चारा विकास, नस्ल सुधार और प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करेगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार भी मिलेगा। संचालन की निगरानी जिला और ब्लॉक समितियां करेंगी। उत्कृष्ट संचालन पर प्रति पशु प्रतिदिन 20 से 35 रुपये तक अनुदान मिलेगा। संस्थाओं का चयन 'रुचि की अभिव्यक्ति' के आधार पर होगा और न्यूनतम 5 वर्ष का गौसेवा अनुभव, नस्ल सुधार व संचालन में 3 वर्ष का अनुभव आवश्यक होगा। आदेश लागू होते ही जमीन चयन और संचालन समितियों के गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

खबर संक्षेप

फूलझर रपटा में पानी भरा अवागमन रुका

मैनपुर। मैनपुर के पास स्थित ग्राम फूलझर की नदी पर बने रपटे (पुलिया) पर रविवार को हुई तेज बारिश के कारण पानी बहने लगा। पानी का बहाव इतना तेज था कि करीब एक घंटे तक रपटे के ऊपर से आवागमन बंद रहा। इस वजह से आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी।

पुराने विवाद को लेकर मारपीट

महसमुंद। ग्राम गिरना के रंगमंच के पास मारपीट के मामले में पिथौरा थाने में आरोपी के विरूद्ध जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को सत्यप्रकाश गड़तिया ने बताया कि 9 अगस्त की शाम करीबन 6 बजे वह अपने ग्राम गिरना के दुर्गा रंगमंच में बैठा था, उसी समय गांव के गुंडा बरिहा ने आकर पुराने विवाद को लेकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर बांस के डंडे से मारपीट की। मामले की रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 351(2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

प्याले में कम शराब डाली, दामाद ने साले से की मारपीट

महासमुंद। शराब की कम-ज्यादा मात्रा को लेकर दामाद ने अपने साले से मारपीट कर दी। पिथौरा पुलिस को मखियारिन पटेल निवासी रानीसागर पारा पिथौरा ने बताया कि 9 को रक्षाबंधन त्योहार होने से शाम करीबन 5 बजे घर में उसका छोटा दामाद भोगसिंग पटेल एवं छोटा बेटा कृष्णा पटेल दोनों बैठकर आंगन में शराब पी रहे थे, इसी बीच शराब कम-ज्यादा हो जाने की बात को लेकर दामाद भोगसिंह ने गाली गलौज कर शराब की शीशी से कृष्णा पटेल के सिर में मारकर चोट पहुंचाया है।

निंदाई में जुटे किसान...

राजिम। राजिम क्षेत्र में अब खेती का काम तेजी से शुरू हो गया है। किसान फिलहाल चलाई (निंदाई) के काम में लगे हुए हैं। हालांकि, बारिश में देरी के कारण काम थोड़ा लेट हुआ है, लेकिन किसानों को उम्मीद है कि वे इसकी भरपाई कर लेंगे। बकली गांव के किसानों, जिनमें श्यामाचरण साहू, सियाराम साहू, हरिचन्द्र साहू और कुमान साहू जैसे लोग शामिल हैं, ने बताया कि हाल ही में हुई लगातार बारिश से पानी की कमी पूरी हो गई है। अब किसान खेतों में खाद और कीटनाशकों का छिड़काव भी शुरू कर चुके हैं। किसानों की चिंता है कि धान की फसल पर तनाच्छेदक कीटों ने हमला करना शुरू कर दिया है। यह समस्या सिर्फ बकली गांव में ही नहीं, बल्कि आसपास के सभी गांवों में देखने को मिल रही है।

फिंगेश्वर कृषि कॉलेज में हुई व्यास पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के तहत संचालित कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, फिंगेश्वर, गरियाबंद में भारतीय शिक्षण मंडल,

छत्तीसगढ़ के सहयोग से व्यास पूजा का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महर्षि वेद व्यास के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हुआ, जिन्हें वेदों और पुराणों का संकलनकर्ता माना जाता ▶▶|शेष पेज 10 पर

अखंड ज्योति कलश का परसदा में हुआ स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

शांतिकुंज हरिद्वार से शुरू हुई अखंड ज्योति कलश यात्रा का परसदा गांव में भव्य स्वागत किया गया। विश्व भारती परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में निकाली गई इस यात्रा के आगमन पर प्रज्ञा मंडल, गायत्री परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने आरती उतारकर और श्रीफल चढ़ाकर कलश का स्वागत किया।

यह यात्रा गायत्री परिवार द्वारा 2026 में होने वाले शताब्दी समारोह की तैयारियों के लिए जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से निकाली गई है। इस यात्रा में पिछले 99 वर्षों से लगातार जल रही अखंड ज्योति, 2400 तीर्थों का जल और रज शामिल हैं। यह शताब्दी वर्ष गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य और माता भगवती देवी शर्मा के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाया ▶▶|शेष पेज 11 पर

दो घंटे तक मूसलाधार बारिश, 5 किमी दूर में सूखा ही सूखा

खंड वर्षा से किसान परेशान, खेती पर संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

रविवार दोपहर करीब 2 बजे मैनपुर नगर में तेज आंधी और मूसलाधार बारिश हुई। बारिश इतनी तेज थी कि सड़कों पर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। इस भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर आ गए। हालांकि, इस बारिश का एक अजीब नजारा भी देखने को मिला जहां मैनपुर नगर में 2 घंटे तक झमाझम बारिश हुई, वहीं इससे 5 किलोमीटर दूर धूप और सूखा नजर आया। मैनपुर-देवभोग क्षेत्र के लोग इस साल की खंड वर्षा से परेशान हैं। बारिश अचानक 2-3 किलोमीटर के इलाके में होती है और बाकी जगहों पर सूखा ही ▶▶|शेष पेज 11 पर

बिजली की लचर व्यवस्था से लोग परेशान

मैनपुर क्षेत्र में बिजली की खराब व्यवस्था ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। थोड़ी सी बारिश होते ही 50 से ज्यादा गांवों में बिजली गुल हो जाती है। कहीं तार टूट रहे हैं, तो कहीं पेड़ों की डालियाँ तारों पर गिर रही हैं। हर साल गर्मी में मेंटेनेंस के नाम पर कई दिनों तक बिजली काटी जाती है, फिर भी बारिश के दिनों में इसका कोई फायदा नहीं मिल रहा है। हालांकि, बिजली विभाग के कर्मचारी बिजली जाने पर उसे ठीक करने की कोशिश करते हैं, लेकिन लोगों का कहना है कि इसका स्थायी समाधान जरूरी है।

खबर संक्षेप

शहीद स्मारक में 15 अगस्त की तैयारी

महासमुंद। सैनिक संगठन के अध्यक्ष युवराज सिंह चंद्राकर ने बताया कि 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की तैयारी शहीद स्मारक में जा रही है। इस दिन शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी और देशभक्ति के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्वतंत्रता दिवस को लेकर शहीद स्मारक में साफ सफाई की जा रही है।

सावन माह में गांवों में हुए विविध आयोजन

अरंड (पिथौरा)। ग्राम मोहंदा एवं अरंड में सावन मास पर विविध कार्यक्रम हुए। भगवान भोलेनाथ की भक्ति में पूरा अंचल डूबा रहा। भक्तगण कांवर यात्रा निकाली। प्रत्येक सोमवार को विशेष पूजा अर्चना की गई। ग्राम अरंड में नियमिति रामचरित मानस का पाठ का आयोजन किया गया। वहीं भगवान शिव की मूर्ति स्थापित की गई। एक माह तक शिव भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। बाद बाजे गाजे के सरथ शिव प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान कामता प्रसाद यादव, अमरजीत, अजय, छविराम, रुपेश, खिलेश राम, विष्णु, लच्छन, टिकेंद्र, सुनील, सुलोचना, ओम लता, मनीष आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र में मनाया गया इतवारी त्योहार

नर्रा। क्षेत्र में एक भादो माह लगते ही रविवार को दूसरा इतवारी त्योहार किसानों ने मनाया। इस दिन खेती कार्य बंद रख कर इसे भगवान त्योहार के रूप मनाया जाता है। इस दिन किसान सुबह नहा धोकर धूप अगरबत्ती व चावल आटे से बने चीला लेकर खेत की ओर जाते है और अन्न माता की पूजा अर्चन कर अच्छी फसल की कामना करते है।

कांपा में मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह

महासमुंद। ग्राम कांपा में विश्व स्तन पान सप्ताह मनाया गया। स्तनपान सप्ताह के दौरान सुपोषण चौपाल का आयोजन किया गया। सुपोषण चौपाल के अंतर्गत तीन गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई। किरण निर्मलकर, प्रभा निर्मलकर, माया साहू की गोदभराई की गई। स्तनपान के बारे में बताया कि मां की पहले दूध में कोलेस्ट्रम पाया जाता है। जो बच्चे को विभिन्न बीमारी से बचाता है। जन्म के तुरंत बाद बच्चे को दूध पिलाना चाहिए। इस दौरान अहिल्या साहू, कुलेश्वरी साहू, टोमिन साहू, रुक्मिणी, ऋतु, सूर्यमुखी, गीता साहू, दुर्गेश्वरी साहू, नीरा साहू, सीमा बांधे, मीना साहू आदि मौजूद रहे।

गंगरेल जलाशय से पानी छोड़ने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने कृषि एवं जल संसाधन मंत्री, कमिश्नर एवं कलेक्टर रायपुर, धमतरी को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा, वर्तमान में बारिश नहीं होने के कारण अभनपुर विधानसभा और रायपुर जिले में पानी की कमी हो रही है। किसानों ने अपने खेत में धान का बियासी एवं रोपाई का कार्य लगभग पूरा कर लिया है। 10 प्रतिशत बियासी का कार्य बाकी है। पानी की कमी के कारण खेत सूखने लग गये हैं। सारे कृषि कार्य भी बंद पड़ा है एवं प्रभावित हो रहा है। गंगरेल जलाशय सहित विभिन्न जलाशयों में पानी का भराव पर्याप्त है। बारिश नहीं होने से चिंतित किसानों के लिए जलाशय से महानदी के मुख्य नहरों में पानी नही छोड़ा गया, तो किसानों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने मांग की है कि महानदी मुख्य नहर से सिंचाई के लिए पानी छोड़ा जाए।

मंत्री नेताम ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ से की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ के किसान कल्याण एवं आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने इस मौके पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने केन्द्रीय रक्षा मंत्री से छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे नक्सल अभियान के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा नियद नेल्लानार अभियान के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जनजातियों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

उदंती रिजर्व में हॉर्नबिल की चहचहाट, बच्चे पालने खुद को 3 महीने तक घोसले में रखती हैं कैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के ऊंचे पहाड़ी इलाकों जैसे कूल्हाड़ीघांट, आमामोरा और ओढ़ में इन दिनों हॉर्नबिल (धनेश पक्षी) की आवाजें खूब सुनाई दे रही हैं। यह पक्षी अपनी अद्भुत जीवनशैली के लिए जाना जाता है। हॉर्नबिल अपना घोंसला पेड़ों की डालियों को खोदकर बनाता है। प्रजनन काल, जो जनवरी से अप्रैल तक होता है, में मादा हॉर्नबिल अंडे देने के बाद खुद को लगभग 3 महीने के लिए घोंसले में बंद कर लेती है। वह घोंसले के मुहाने को मिट्टी से बंद कर लेती है, जिसमें सिर्फ एक छोटा छेद खुला रहता है। इसी छेद से नर हॉर्नबिल अपनी चोंच से मादा और बच्चों के लिए खाना लाता है। यह अनोखी प्रेम कहानी पक्षी प्रेमियों और फोटोग्राफरों को दूर-दूर से यहाँ खींच लाती है। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरुण जैन के अनुसार, हॉर्नबिल का वैज्ञानिक नाम बूसेरोस बिकोर्निस है। यह पक्षी मुख्य रूप से एशिया, अफ्रीका, मलेशिया और भारत के पश्चिमी घाटों में पाया जाता है। छत्तीसगढ़ में बस्तर के अलावा, इस रिजर्व के कूल्हाड़ीघांट, आमामोरा और ओढ़ की पहाड़ियों में इनकी संख्या काफी ज्यादा है। यहाँ की जलवायु और जैव विविधता पश्चिमी घाटों जैसी होने के कारण इनकी उपस्थिति अधिक है।

नर हॉर्नबिल अपनी चोंच से मादा और बच्चों के लिए लाता है खाना

प्रजनन काल में शाकाहारी बन जाता है हॉर्नबिल

ट्रैकर्स, जो इन पक्षियों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं, ने बताया कि आमतौर पर हॉर्नबिल सर्वाहारी होता है, लेकिन प्रजनन काल के दौरान नर पक्षी पूरी तरह शाकाहारी हो जाता है। इस दौरान वह जंगली फल, आम, फूल और कलियों का गूदा भोजन के रूप में जुटाता है। वे यह भी बताते हैं कि मादा हॉर्नबिल नर से छोटी होती है, जिससे उनकी पहचान आसानी से हो जाती है।

पशुधन सुरक्षा, नस्ल सुधार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा संबल

साय ने कहा- गोधाम योजना से पशुधन संरक्षण नस्ल सुधार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और पशुधन संरक्षण को नई दिशा देने के लिए गोधाम योजना की शुरुआत करने जा रही है। यह योजना न केवल पशुधन की सुरक्षा और नस्ल सुधार को बढ़ावा देगी, बल्कि जैविक खेती, चारा विकास और गो-आधारित उद्योगों के माध्यम से गांव-गांव में रोजगार के नए अवसर भी खोलेगी। योजना का स्वरूप इस तरह तैयार किया गया है कि निराश्रित एवं घुमंतू गोवंशीय पशुओं की देखभाल के साथ-साथ चरवाहों और गोसेवकों को नियमित आय का स्थायी स्रोत उपलब्ध हो, जिससे ग्रामीण जीवन में आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता आ सके। गोधाम योजना के ड्राफ्ट को वित्त एवं पशुधन विकास विभाग से भी मंजूरी मिल चुकी है। गोधाम योजना का उद्देश्य गोवंशीय पशुओं का वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षण एवं संवर्धन करना, गो-उत्पादों को बढ़ावा देना, चारा विकास कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना, गोधाम को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करना, ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराना तथा फसलों के नुकसान और दुर्घटनाओं में पशु एवं जनहानि से बचाव सुनिश्चित करना है।

स्थापना के लिए जमीन की खोज

ऐसी शासकीय भूमि, जहां सुरक्षित बाड़ा, पशुओं के शेड, पर्याप्त पानी और बिजली की सुविधा उपलब्ध हो, वहीं गोधाम की स्थापना की जाएगी। जिन गोठानों में पहले से अधोसंरचना विकसित है, वहां उपलब्धता के आधार पर गोठान से सटे चारागाह की भूमि को हरा चारा उत्पादन के लिए दिया जाएगा। इसके अलावा, यदि आसपास की पंजीकृत गोशाला की समिति संचालन के लिए असहमति व्यक्त करती है, तो अन्य स्वयंसेवी संस्था, एनजीओ, ट्रस्ट, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी या सहकारी समिति संचालन के लिए आवेदन कर सकेगी।

एनएच के आसपास होंगे स्थापित

जिला प्रशासन के प्रस्ताव पर गोधाम स्थापित किए जाएंगे, जो पंजीकृत गोशालाओं से भिन्न होंगे। पहले चरण में छत्तीसगढ़ के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गौधाम स्थापित किए जाएंगे। जिला स्तरीय समिति प्राप्त आवेदनों का तुलनात्मक अध्ययन कर चयनित संस्था का नाम छत्तीसगढ़ राज्य गो सेवा आयोग को भेजेगी। मंजूरी के बाद चयनित संस्था और आयोग के बीच करार होगा, जिसके बाद गोधाम का संचालन उस संस्था को सौंपा जाएगा।

चरवाहों को मिलेगा मानदेय

गोधाम योजना के तहत चरवाहों को 10,916 रुपए प्रतिमाह और गोसेवकों को 13,126 रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही मवेशियों के चारे के लिए प्रतिदिन निर्धारित राशि प्रदान की जाएगी। उत्कृष्ट गोधाम को वहां रहने वाले प्रत्येक पशु के लिए प्रतिदिन के हिसाब से राशि दी जाएगी। योजना के लिए बजट, नियम और शर्तें तय कर दी गई हैं।

पशुधन की सुरक्षा और गांवों में रोजगार बढ़ाएगी गोधाम योजना

मुख्यमंत्री ने कहा, गोधाम योजना से प्रदेश में पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और बड़ी संख्या में चरवाहों एवं गोसेवकों को नियमित आय का साधन मिलेगा। उन्होंने कहा, पशुओं की नस्ल सुधार कर उन्हें अधिक दूध देने और खेती-किसानी में पूरी क्षमता से उपयोग करने योग्य बनाया जा सकेगा। साथ ही जैविक खेती और चारा विकास कार्यक्रमों को भी गति मिलेगी, जिससे ग्राम स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और गांवों की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी।

भाजपा आदिवासी मुख्यमंत्री बनाकर जंगलों को बाहरी लोगों के हवाले कर रही : भूपेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, उन्होंने आदिवासी मुख्यमंत्री के रहते तमनार में लाखों पेड़ों की कटाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, भाजपा आदिवासी मुख्यमंत्री बनाकर जंगलों को बाहरी लोगों के हवाले कर रही है और आदिवासियों को उनके संसाधनों से वंचित कर रही है।

- भोजली महोत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्व सीएम

राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में भोजली महोत्सव के समापन कार्यक्रम में प्रदेशवासियों को विश्व आदिवासी दिवस और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा, आज ही के दिन 'अंग्रेज़ों भारत छोड़ो' का नारा दिया गया था और भोजली महोत्सव प्रकृति के श्रृंगार का प्रतीक है। आदिवासी समाज हमेशा प्रकृति के साथ रहकर जीवन जीता है और इस तरह के पर्व हर साल पूरे उत्साह के साथ मनाए जाते हैं।

बैज ने कहा- प्रदेश सरकार आदिवासी समाज का कर रही अपमान

लगातार दूसरे साल भाजपा सरकार ने विश्व आदिवासी दिवस नहीं मनाया। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भाजपा सरकार प्रदेश की सबसे बड़ी आबादी आदिवासी समाज का अपमान कर रही है। विश्व आदिवासी दिवस आदिवासियों के गौरव और अस्मिता से जुड़ा हुआ है। आरएसएस अपनी संस्कृति को आदिवासी समाज पर थोपना बंद करे। आदिवासी समाज विश्व आदिवासी दिवस के दिन जो आयोजन करता है, उसमें सरकार अपनी भूमिका से स्पष्ट करे। कांग्रेस की सरकार के पांच साल में राज्य की पुरातन आदिवासी संस्कृति को दुनिया के सामने लाने का प्रयास हुआ। विश्व आदिवासी नृत्य महोत्सव जैसे आयोजन हुए, जिसके माध्यम से हम अपनी संस्कृति, खान पान दुनिया के सामने गौरव पूर्ण ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

राष्ट्रीय संगठन से मिल चुकी है मंजूरी, अब चार के स्थान पर तीन महामंत्री होंगे

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव की नई टीम का ऐलान कभी भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव की नई कार्यकारिणी का ऐलान कभी भी हो सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन से संभावित कार्यकारिणी को मंजूरी मिल चुकी है। दिल्ली में हुई बैठक में सबसे अहम महामंत्रियों के पदों को लेकर चर्चा हुई है। पिछली कार्यकारिणी में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय के अलावा चार महामंत्री रखे गए थे, लेकिन इस बार प्रदेश संगठन महामंत्री के अलावा तीन ही महामंत्री रखने का फैसला किया गया है। इनमें एक एससी और एक ओबीसी वर्ग का महामंत्री तो लगभग तय कर दिया गया है। अब एक और महामंत्री पर फैसला बाकी है। सामान्य वर्ग से भी दो नाम सामने आ रहे हैं, इसमें एक नाम पूर्व सांसद अभिषेक सिंह और पूर्व विधायक रजनीश सिंह का है, लेकिन सामान्य वर्ग का अध्यक्ष होने के कारण सामान्य वर्ग से महामंत्री न रखने की बात भी सामने आ रही है। ऐसी स्थिति में एसटी वर्ग से कोई नाम सामने आ सकता है।

प्रदेश में भाजपा संगठन के जिलों के चुनावों के बाद किरण देव को 17 जनवरी को पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया गया था। भाजपा का प्रदेशाध्यक्ष बने किरण देव को सात माह हो गए हैं, लेकिन अब तक प्रदेश की कार्यकारिणी नहीं बन सकी है। किरण देव ने पहले कहा था मंडलों के बाद जिलों की कार्यकारिणी तय होने के बाद प्रदेश की कार्यकारिणी बनेगी। मंडलों की कार्यकारिणी तो बन गई है, इसी के साथ करीब एक दर्जन जिलों की कार्यकारिणी का भी ऐलान हो चुका है। अब किरण देव की कार्यकारिणी को लेकर यह बात सामने आ रही है कि उनकी कार्यकारिणी का ऐलान कभी भी हो सकता है।

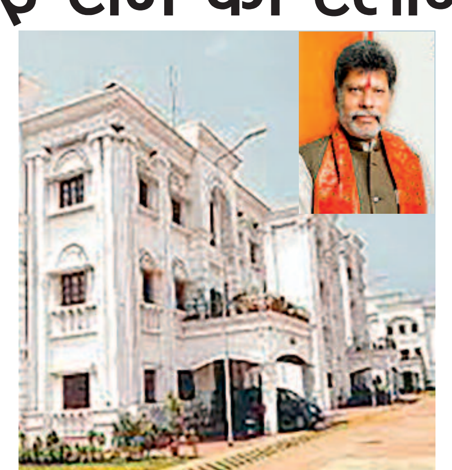

मोर्चा अध्यक्षों पर भी चर्चा

प्रदेश कार्यकारिणी के साथ ही सात मोर्चा के अध्यक्ष भी घोषित किए जाते हैं। इन मोर्चा में सबसे अहम भाजयुमो, महिला और किसान मोर्चा है। भाजयुमो की अहमियत सबसे ज्यादा रहती है। इस मोर्चा के लिए आधा दर्जन नामों पर मंथन किया गया है। इसी के साथ दूसरे मोर्चा के लिए भी अध्यक्षों के नाम लगभग फाइनल हैं। भाजपा के प्रदेश मीडिया विभाग में भी फेरबदल होने की बात सामने आ रही है। प्रदेश के प्रवक्ताओं में भी फेरबदल होगा। कुछ प्रवक्ताओं को प्रमोट करके प्रदेश मंत्री बनाया जा सकता है। इसी के साथ वर्तमान में जो दो महामंत्री रामजी भारती और भरत वर्मा हैं, उनको उपाध्यक्ष बनाए जाने की संभावना है।

राष्ट्रीय संगठन से मिल चुका है अनुमोदन

दिल्ली में इस माह के पहले ही दिन भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की प्रदेश संगठन को लेकर बड़ी बैठक हुई थी। इसमें मुख्य रूप से प्रदेश संगठन के महामंत्रियों को लेकर मंथन किया गया। जानकारों का कहना है कि एससी वर्ग से पूर्व विधायक नवीन मार्कंडेय और ओबीसी वर्ग से सरगुजा संभाग के अखिलेश सोनी का नाम लगभग फाइनल हो गया है। तीसरा नाम अभी फाइनल नहीं है। वैसे सामान्य वर्ग से भी दो नाम एक राजनांदगांव के पूर्व सांसद अभिषेक सिंह और एक बिलासपुर संभाग के रजनीश सिंह का नाम भी लिया जा रहा है। लेकिन जानकारों का यह भी कहना है कि सामान्य वर्ग को लेकर एक पेंच फंसा हुआ है, क्योंकि सामान्य वर्ग से ही किरण देव अध्यक्ष हैं। ऐसे में संभव है कि सामान्य वर्ग से महामंत्री न बनाया जाए। तीसरे महामंत्री को लेकर लगातार मंथन भी चल रहा है। जानकारों का कहना है कि तीसरे महामंत्री का नाम भी लगभग फाइनल है, लेकिन इसका खुलासा नहीं किया जा रहा है।

गृहमंत्री, वनमंत्री को आत्मसमर्पित माओवादी बहनों ने बांधा रक्षासूत्र

रायपुर। दंतेश्वरी फाइटर्स से जुड़ी आत्मसमर्पित महिला नक्सलियों ने शनिवार को दंतेवाड़ा में गृहमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप को रक्षा सूत्र बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का संदेश दिया। मंत्री द्वय ने इस मौके पर कहा कि हम सब यहां एक ऐसे अद्भुत और प्रेरणादायी क्षण के साक्षी हैं, जहां हमारी बहनों ने नक्सलवाद के रास्ते को छोड़कर विकास की मुख्यधारा का मार्ग अपनाया है। ये वही बहनें हैं, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों और संघर्षों को पार करते हुए समाज में सम्मान और शांति के साथ जीवन यापन का संकल्प लिया है। गृमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि जो भी बहनें आज भी भटकाव के उस रास्ते पर हैं, यदि वे मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लेंगी, तो पूरा समाज उन्हें खुले हृदय से अपनाएगा। हम उन्हें बहन का स्थान देंगे, उनकी सुरक्षा और सम्मान की पूरी जिम्मेदारी निभाएंगे, और उनके जीवन यापन के लिए हर संभव सहायता करेंगे। रक्षाबंधन सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि विश्वास, अपनापन और एक-दूसरे की सुरक्षा का संकल्प है।

- गृहमंत्री बोले- दंतेश्वरी फाइटर्स बहनों का शौर्य अन्य बहनों के लिए अनुकरणीय

गर्मी के सीजन में खनन करने थे 100 नलकूप मात्र 31 ही करा पाए अफसर, 598 हैंडपंप बंद भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के कई ग्रामों में गर्मी के सीजन में इस बार पेयजल की समस्या से बहुत ज्यादा रही। इसका कारण पीएचई विभाग के अफसरों की लापरवाही है। ग्रामीण क्षेत्रों में पहले ही लोग जहां पूरी गर्मीभर 598 हैंडपंप बंद पड़े होने के कारण पेयजल की समस्या से जूझते रहे, वहीं दूसरी ओर इन ग्रामों में नलकूप का खनन करने में भी विभाग ने बड़ी लापरवाही बरती है। इन ग्रामों में गर्मीभर पेयजल का संकट न गहराए, इस उद्देश्य से जिला पंचायत ने पीएचई

विभाग को 100 नलकूप खनन का टारगेट दिया था। इस टारगेट के एवज में अफसर मात्र 30 प्रतिशत ही नलकूप का खनन करा पाएं है, जिसके कारण इन ग्रामों में रहने वाले परिवारों को गर्मीभर पेयजल की समस्या से परेशान होना पड़ा। बारिश के सीजन में भी कई ग्रामों में शुद्ध पेयजल की समस्या बनी हुई है। जल जीवन मिशन अंतर्गत घर-घर दिए गए नल कनेक्शन अभी तक कई ग्राम में शुरू नहीं हो पाए हैं, जिसके कारण इन गांव के लोग हैंडपंप के भरोसे ही हैं। बारिश के सीजन में भूजल का स्तर बढ़ जाता है, जिसके कारण कई हैंडपंप से निकलने वाला पानी मटमैला हो जाता है, जिसे पीने के लिए ग्रामीण भी मजबूर हैं, क्योंकि शुद्ध पेयजल आपूर्ति का और कोई विकल्प नहीं है। इसे देखते हुए ही ऐसे गांव में नलकूप खनन का टारगेट पीएचई विभाग के अफसरों को मिला था, जिसे करने में वे विफल रहे हैं।

स्वामी आत्मानंद हिंदी स्कूल में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

महासमुंद। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट शासकीय आदर्श उच्चतर हिंदी माध्यमिक विद्यालय के सभागार में शुक्रवार को संस्था प्रमुख की अध्यक्षता में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत मां सरस्वती माता के दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। सेवानिवृत हो चुके संस्था के वरिष्ठ व्याख्याता रघुनाथ सिन्हा मुख्य अतिथि रहे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ व्याख्याता जीएस ठाकुर, वरिष्ठ व्याख्याता दिनेश द्विवेदी, वरिष्ठ व्याख्याता प्रभा पंडा उपस्थित रहे। उक्त दिवस की महानता, आदिवासियों के प्रति चेतना को उप प्राचार्य चमन लाल चंद्राकर ने संबोधित किया।

सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, सूरजपुर समेत कई जिलों में सेंट्रल लाइब्रेरी

34 नए नालंदा परिसर बनेंगे, नगरीय प्रशासन विभाग ने दी मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार 34 नए नालंदा परिसर बनाने जा रही है। ये नालंदा परिसर केवल रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई, रायगढ़ जैसे बड़े शहरों में ही नहीं बन रहे, बल्कि दूरस्थ वनांचलों के सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, सूरजपुर, बैकुंठपुर, चिरमिरी, कुनकुरी, जशपुर, बलरामपुर, पेंड्रा जैसे शहरों में भी बन रहे हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने 33 नए नालंदा परिसरों के लिए राशि स्वीकृत की है। इन सेंट्रल लाइब्रेरीज-सह-रीडिंग जोन्स से प्रदेशभर के युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अच्छा माहौल मिलेगा। उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अच्छी पुस्तकें भी मिलेंगी। प्रदेश के हर वर्ग के युवाओं के करियर निर्माण में ये लाइब्रेरीज काफी मददगार और अहम साबित होंगी। इन सर्वसुविधायुक्त, अत्याधुनिक लाइब्रेरी में युवाओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पढ़ाई की सुविधा मिलेगी।

दस शहरों में 500 सीटर और 22 में 250 सीटर लाइब्रेरी बनेंगी : दस नगरीय निकायों में 500 सीटर और 22 शहरों में 250 सीटर लाइब्रेरी बनाए जाएंगे। दुर्ग, राजनांदगांव, अंबिकापुर, जगदलपुर, बिलासपुर और भिलाई नगर निगम तथा जशपुर, लोरमी एवं गरियाबंद नगर पालिका में 500-500 सीटर नालंदा परिसरों का निर्माण किया जाएगा। वहीं धमतरी और चिरमिरी नगर निगम, कवर्धा, जांजगीर-नैला, बालोद, बलौदाबाजार, बेमेतरा, कांकेर, नारायणपुर, बलरामपुर, मुंगेली, खैरागढ़, सक्ती, पेंड्रा, सारंगढ़, सूरजपुर, बैकुंठपुर, दंतेवाड़ा एवं सुकमा नगर पालिका तथा कुनकुरी, बसना और अंबागढ़-चौकी नगर पंचायत में 250-250 सीटर सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन बनाए जाएंगे।

सभी सुविधाएं मुहैया कराने प्रतिबद्ध- साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रदेशभर में नालंदा परिसरों के विस्तार के बारे में कहा, सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने सभी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सर्वसुविधायुक्त ये लाइब्रेरियां उच्च शिक्षा हासिल कर रहे तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को उत्कृष्ट अध्ययन सामग्री भी प्रदान करेंगी।

रायपुर में अभी तीन लाइब्रेरी संचालित, दो और बनेंगी

राजधानी रायपुर में अभी तीन सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन संचालित हैं। इनमें एक हजार सीटर नालंदा परिसर-सह-ऑक्सी रीडिंग जोन, 800 सीटर तक्षशिला सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-स्मार्ट रीडिंग जोन और 500 सीटर सेंट्रल लाइब्रेरी शामिल हैं। रायपुर में जल्दी ही एक हजार सीटर और 500 सीटर नई लाइब्रेरी का काम प्रारंभ होगा।

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद- साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं के सपनों को उड़ान देने का काम कर रही है। छत्तीसगढ़ के हर क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिले, इसके लिए हम अलग-अलग क्षेत्र के शहरों में नालंदा परिसरों का निर्माण कर रहे हैं। ये नालंदा परिसर सिर्फ इमारत नहीं, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद हैं।

खबर संक्षेप

बारिश के बीच विधायक जनक ने किया ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा

मैनपुर। बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में रविवार को विधायक जनक ध्रुव पहुंचे जहां ग्रामीणों ने उनका गाजे बाजे के साथ फूलमाला से जोरदार स्वागत किया गया बारिश के बावजूद विधायक जनक ध्रुव ग्रामीणों से मिलने और उनके समस्याओं को जानने गांव तक पहुंचे तथा ग्रामीणों की समस्याओं को सून कर कई समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया इस मौके पर क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गौधाम योजना गौ माता संरक्षण की दिशा में सरकार की सराहनीय पहल : राजू साहू

मुड़ागांव(कोरासी)। गौ माता हमारे संस्कृति और कृषि जीवन का आधार रही हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही गौधाम योजना इस दिशा में एक ऐतिहासिक और सराहनीय कदम है। इस योजना के तहत न

केवल गौ माता के संरक्षण का कार्य किया जा रहा है, बल्कि किसानों को जैविक खेती, गोबर से बिजली एवं खाद उत्पादन जैसे रोजगारोन्मुखी अवसर भी प्रदान किए जा सकते हैं। भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष राजू साहू ने कहा कि "गौधाम योजना से गांव-गांव में गौवंश की देखभाल, चारा-पानी की व्यवस्था और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। यह योजना हमारी परंपरा, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था तीनों को मजबूती देती है। उन्होंने आगे कहा कि गौधाम योजना से न केवल गौ माता का संरक्षण होगा, बल्कि इससे जुड़ी गतिविधियों से किसानों और ग्रामीणों की आमदनी में भी वृद्धि होगी। यह योजना आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

अपराध और युद्ध मुक्त मानव का निर्माण का विकल्प है जीवन विद्या

महासमुंद। चेतना विकास मूल्य शिक्षा का प्रभाव और प्रमाण देखकर बनपचरी सरकारी स्कूल के प्रधान अध्यापिका अंजू ध्रुव व साथ में आए बच्चों ने अक्षरशः इसे अपने विद्यालय में लागू करने का निर्णय लिया है। शिक्षिका अंजू ध्रुव ने बताया कि कोकड़ी सरकारी स्कूल के बच्चों का अभिव्यक्ति क्षमता, टीम वर्क, गीत, अंग्रेजी व हिंदी पठन, जीवन विद्या की पढ़ाई, चित्र कला, स्वच्छता, संस्कार, संवर्धन, सुरक्षा, पर्यावरण प्रेम, स्वास्थ्य शिक्षा,परिचय, परिवार की समझ, मूल्यों की समझ आदि अनेक मुद्दों पर बच्चों के साथ संवाद हुआ है।

निधन

दानीराम पाल

नवापारा-राजिम। उरला निवासी दानीराम पाल उम्र 64 वर्ष का निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामवासी शामिल हुए। वे पटेवा के पूर्व सरपंच राजू पाल, मनहरण पाल के बड़े भाई तथा गजेंद्र पाल, अजय पाल, छमन पाल के पिताजी थे।

विरोध : धर्मांतरण रोकने के लिए विश्व हिंदू परिषद ने प्रशासन को चेताया

चिकित्सा के नाम पर धर्मांतरण का आरोप, चंगाई सभाओं का किया घेराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

फिंगेश्वर विकासखंड के कई गांवों में बीमारी ठीक करने के बहाने धर्मांतरण का खेल चलने का मामला सामने आया है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने इस पर रोक लगाने के लिए फिंगेश्वर पुलिस को ज्ञापन सौंपा है। 10 अगस्त को विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस के साथ फिंगेश्वर प्रखंड के तीन गांवों में छापेमारी की। जांच के दौरान यह पता चला कि बिजली और बेलटुकरी गांवों में बिना किसी अनुमति के प्रार्थना सभाएं (चंगाई सभा) आयोजित की जा रही थीं। सभा के संचालकों, मनहरण साहू, यादराम साहू और हेमंत साहू ने पुलिस के सामने स्वीकार किया कि ये सभाएं बिना अनुमति के चल रही थीं। इन सभाओं में ज्यादातर गरीब और पिछड़े वर्ग के लोग शामिल थे, लेकिन कुछ सरकारी कर्मचारी भी मौजूद थे। विहिप के अनुसार, बिजली गांव राज्यपाल रामेन डेका का गोद लिया हुआ गांव है, इसके बावजूद वहां इस तरह की गतिविधियां चल रही थीं।

चमत्कारिक इलाज के नाम पर धर्मांतरण

विहिप के संयोजक मोहित साहू ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि इन सभाओं में गंभीर बीमारियों का चमत्कारिक इलाज करने का दावा किया जाता है। भोले-भाले लोगों को इलाज के बहाने उनका ब्रेन वॉश किया जाता है। उन्हें यह कहकर बरगलाया जाता है कि उनके देवी-देवताओं में इतनी शक्ति नहीं है, जितनी प्रभु यीशु में है, और ईसाई धर्म अपनाने से उनकी बीमारी ठीक हो जाएगी। मोहित साहू ने यह भी बताया कि इस तरह के चमत्कारी इलाज के कारण तीन महीने पहले सुरसाबांधा गांव में एक युवती की मौत हो गई थी, और आरोपी महिला भी धर्मांतरण के काम में लगी हुई थी।

करेंगे उग्र आंदोलन

विहिप ने ईसाई मिशनरियों को चेतावनी दी है कि अगर पैसों का लालच देकर या चमत्कारी शक्तियों का दावा कर धर्मांतरण का प्रयास किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। जिलाध्यक्ष प्रकाश निर्मलकर ने कहा कि पूरे जिले में चल रही ऐसी सभी गतिविधियों की लिखित शिकायत कलेक्टर और प्रशासन से की जाएगी ताकि इस /"गंदे खेल को रोका जा सके।

जिले में भाजपा का हर घर तिरंगा अभियान शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जिला इकाई ने 'हर घर तिरंगा – तिरंगा यात्रा' और 'मोर तिरंगा मोर अभिमान' अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत, 10 से 15 अगस्त 2025 तक मंडल स्तर पर कई देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान एक जनआंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम की भावना से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। अभियान के जिला संयोजक राजेश साहू ने कहा कि यह हर कार्यकर्ता के लिए राष्ट्रसेवा का मौका है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि उनके मंडल में कोई भी घर ऐसा न हो जहाँ तिरंगा न फहराया जाए।

जिला महामंत्री आशीष शर्मा और चंद्रशेखर साहू ने कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया की 10 से 14 अगस्त सभी मंडलों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें युवा मोर्चा, महिला मोर्चा और आम नागरिक शामिल होंगे।

13 से 15 अगस्त कार्यकर्ता अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराएंगे। जहाँ संभव हो, बच्चों के हाथों से ध्वजारोहण कराया जाएगा। 15 अगस्त की शाम तिरंगे को सम्मान के साथ उतारा जाएगा। 12 से 14 अगस्त स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थलों और शहीदों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई की जाएगी। वहाँ दीप जलाकर और माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके साथ ही शहीदों के परिवारजनों, सैनिकों और पुलिसकर्मियों का सम्मान भी किया जाएगा। भाजपा, जिला गरियाबंद ने सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से इस अभियान को सफल बनाने और राष्ट्रभक्ति के इस महाउत्सव में शामिल होने की अपील की है।

राजिम और नवापारा में मनाया गया रक्षाबंधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन आज राजिम और नवापारा शहर समेत आसपास के सभी गांवों में धूमधाम से मनाया गया। इस खास मौके पर हर जगह खुशी का माहौल देखने को मिला। बहनों ने अपने भाइयों की आरती उतारकर, माथे पर गुलाल और अक्षत का तिलक लगाया। इसके बाद, उन्होंने भाइयों की कलाई पर रक्षा का पवित्र धागा, यानी राखी बांधी। इस दौरान भाइयों ने भी बहनों को उपहार दिए और जीवन भर उनकी रक्षा करने का वादा किया।

प्रेम विश्वास का पर्व है रक्षाबंधन : ओंकार

राजिम। भाजपा के युवा नेता व राजिम मंदिर समिति युवा प्रकोष्ट के संयोजक ओंकार साहू ने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने अपने भाई की कलाई में राखी बांधी। यह दिन भाई-बहनों के प्रेम, रिश्ते, विश्वास और उनकी ताकत को समर्पित है। यह दिन रिश्तों सहित घर-परिवार और समाज में भी खुशियों की लहर लेकर आता है। रक्षाबंधन न केवल भारत का मुख्य पर्व है बल्कि कई अन्य देशों में भी इसकी खास रौनक देखने को मिलती है। राजिम अंचल के ग्राम बहेरापाल में धूमधाम से रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। राखी प्यार और विश्वास का बंधन है। यह त्योहार भाई-बहन के रिश्ते को और मजबूत बनाता है। रक्षाबंधन भारतीय संस्कार और परंपरा से जुड़ा पर्व है। यह पर्व हमें त्याग, प्रेम, सुरक्षा और जिम्मेदारी की सीख देता है।इस पर्व को सांस्कृतिक एकता का प्रतीक कह सकते हैं। रक्षाबंधन केवल सगे भाई-बहन तक सीमित नहीं, बल्कि यह दोस्ती और मानवता के रिश्तों में भी अपनाया जाता है।

गुरुकृपा स्कूल में मनाया धूमधाम से रक्षाबंधन

रसेला। गुरू कृपा विद्या मंदिर, रसेला में भाई- बहन के पवित्र रिश्ते के रक्षाबंधन का महापर्व धूमधाम से मनाया गया इस उपलक्ष्य पर बच्चों ने अपने सहपाठी भाईयों को तिलक व अक्षत लगाकर उसके मस्तक पर टीका किया फिर अपने भाईयों के कलाई पर रंग बिरंगी राखी बाधी फिर एक दूसरे को दोनों भाई बहनों ने मिलकर मिठाई खिलाया उसके उपरांत भाईयों ने अपनी बहनों को उपहार स्वरूप उन्हें भेट दिये भेंट मैं बच्चों ने विभिन्न प्रकार के उपहार (कापी, पेन, शीश, रबर व कटर) लाये थे। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षक व बच्चे उपस्थित थे।

भाजपा गाय, गोबर व गौ मूत्र के नाम पर केवल राजनीति करती है : रूपेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रूपेश साहू और मीडिया प्रभारी टिकेश साहू ने भाजपा सरकार के गौठान योजना का नाम बदलकर गौधाम करने के फैसले को 'यू-टर्न' बताया है। उन्होंने कहा कि लगभग पौने दो साल बाद ही सही, सरकार को गौठानों की अहमियत समझ में आ गई है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि जो लोग पहले राजनीतिक द्वेष के कारण गौठान योजना का विरोध कर रहे थे, वे अब खुद कोई नई योजना न ला पाने के कारण वापस गौठानों का सहारा ले रहे हैं। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान गौ माता के नाम पर वोट मांगने वाली भाजपा अब उन्हीं गायों को 'आवारा पशु' कह रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की निष्क्रियता के कारण 10 हजार से ज्यादा गौठान बंद हो गए, जिससे सैकड़ों गायें सड़कों पर कुचलकर मारी गईं, और इसका पाप सरकार पर है। ब्लॉक कांग्रेस मीडिया प्रभारी टिकेश साहू ने कहा कि पशुपालकों पर एफआईआर दर्ज करके सरकार अपनी विफलता छुपा रही है। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान गोबर और गौमूत्र खरीदे जाने के कारण मवेशी बांधकर रखे जाते थे, लेकिन अब वे सड़कों पर घूम रहे हैं और कांजी हाउस खाली पड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार गौ संरक्षण को लेकर कोई ठोस नीति या नीयत नहीं रखती। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सिर्फ श्रेय लेने के लिए गौ-अभयारण्य की बात कर रही है, जबकि भाजपा शासित अन्य राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में ऐसी योजनाएं पूरी तरह फेल हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में तो गौ-अभयारण्य को एनजीओ को सौंप दिया गया है। अंत में, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जिन गौठानों की आलोचना की थी, अब मजबूर होकर उन्हीं का नाम बदलकर 'गौधाम' कर रही है।

सड़कों पर बढ़ते हादसे और गौ तस्करी

रूपेश साहू ने कहा कि गौठान योजना बंद होने का नतीजा सड़कों पर साफ दिख रहा है। मवेशियों की मौत और लगातार हो रहे हादसों की वजह सरकार की उपेक्षा और पूर्वाग्रह है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सिर्फ गाय, गोबर और गौमूत्र के नाम पर राजनीति करती है, जबकि हकीकत में पिछले डेढ़ साल में छत्तीसगढ़ में गौवंश की संख्या तेजी से घटी है, गौ तस्करी बढ़ी है और सड़क दुर्घटनाओं

जिले में धूमधाम से मना रक्षाबंधन

गरियाबंद। भाई-बहन के अटूट स्नेह और रक्षा के वचन का पर्व रक्षाबंधन शनिवार को पूरे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा कवच (राखी) बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार और शगुन देकर जीवनभर रक्षा का संकल्प लिया। कई शादीशुदा महिलाएं मायके पहुंचीं और अपने भाइयों को राखी बांधकर स्नेह के रिश्ते को और प्रगाढ़ किया। बाजारों में रक्षाबंधन की रौनक दिनभर देखने को मिली। राखी और मिठाई की दुकानों पर भारी भीड़

रही। खासतौर पर छोटे बच्चों के लिए कार्टून और स्पेशल डिजाइन वाली राखियां खरीदी गईं। बहनों ने अपने नन्हे भाइयों की कलाई पर पसंदीदा कार्टून राखियां बांधीं, जिसे पाकर बच्चे बेहद खुश नजर आए। रक्षाबंधन के इस पावन पर्व पर शहर से लेकर गांवों तक भाई-बहन के स्नेह का सुंदर नजारा देखने को मिला।

कार्यशाला में शामिल हुई सहायक शिक्षिका दुर्गा

महासमुंद। विद्यालय शिक्षा में हस्तकौशल कला का समावेश 29 जुलाई 2025 से 7 अगस्त 2025 सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में 10 अलग-अलग राज्य के प्रतिभागी शामिल हुए। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य से 5 जिलों से 8 प्रतिभागियों का चयन हुआ था। जिसमें शासकीय प्राथमिक शाला भलेसर महासमुंद विकासखंड के सहायक शिक्षिका दुर्गा यादव ने महासमुंद जिले का प्रतिनिधित्व किया। नई दिल्ली कार्यशाला में हमारे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक पारंपरिक और विभिन्न त्योहारों की झलकियां नई दिल्ली में प्रस्तुत की गई है। कार्यक्रम के आयोजक नई दिल्ली प्रतिनिधि देवा राम, छत्तीसगढ़ राज्य की टीम के मनमोहक सांस्कृतिक और पारंपरिक प्रस्तुति पर नई दिल्ली की टीम सीसीआरटी और शामिल सभी प्रशिक्षणार्थी गणों द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की टीम के उज्ज्वल भविष्य की शुभेच्छा जताई।

बेहेरापाल में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

क्षेत्र के बेहेरापाल गांव में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार रक्षाबंधन शनिवार को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस दिन बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनकी लंबी उम्र की कामना की। वहीं, भाइयों ने भी अपनी बहनों को जीवन भर उनकी रक्षा करने का वचन दिया।

यह पर्व भाई-बहनों के बीच के प्रेम, विश्वास और अटूट रिश्ते को दर्शाता है। इस मौके पर भाई-बहनों ने कहा कि यह दिन परिवार और समाज में खुशियाँ लेकर आता है। बेहेरापाल गांव में इस पर्व को मनाने वालों में संतु साहू, ताराचंद साहू, लोकेश साहू, सुमन साहू, हिलेश साहू, वैष्णवी साहू, यामिनी साहू, रेखा साहू, हेमा साहू और केसर साहू शामिल थे।

रसेला और सुरंगपानी में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

शिक्षा ही समाज को सभ्य बनाने का बेहतर साधन : नागवंशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

रसेला और सुरंगपानी गाँवों में विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही धूमधाम और पारंपरिक तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर आदिवासियों ने अपने इष्टदेव बूढ़ादेव की पूजा-अर्चना की और डीजे की धुन पर एक भव्य रैली निकाली। सुरंगपानी में तहसील स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में 11 सर्कल समिति के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे। मुख्य अतिथि तहसील स्तरीय समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर नागवंशी ने आदिवासियों की कला और संस्कृति को संरक्षित रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने समाज के सभी लोगों से एकजुट होकर अपनी परंपराओं को बचाने की अपील की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बालकराम मरकाम ने शिक्षा के महत्व पर बात की। उन्होंने युवाओं से कहा कि शिक्षा ही समाज को सभ्य बनाने का सबसे अच्छा साधन है, और इसके लिए ईमानदारी बरतने की जरूरत है। इसी कड़ी में लोकसिंह ने भी समाज को संगठित और शिक्षित होने की सलाह दी।

इस दौरान आदिवासी समाज के महापुरुषों के बलिदान को भी याद किया गया। सुरंगपानी गांव में सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चों ने पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में हाथों में झंडे लेकर 'आदिवासी एकता' के नारे लगाए। यह जुलूस गांव की गलियों से होते हुए सामाजिक भवन में आकर खत्म हुआ, जिसके बाद एक सभा का आयोजन किया गया। सभा में वक्ताओं ने आदिवासी एकता, परंपरा और उनके अधिकारों पर विचार-विमर्श किया। भुवेंद्र मरकाम ने कहा कि यह दिन सिर्फ उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि संविधान, संस्कृति और चेतना के संरक्षण का संकल्प लेने का दिन है। कार्यक्रम का संचालन गुलाब सिंह मरकाम ने किया। इस मौके पर शोभाराम, नारनो नेताम, अमरसाय समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण और सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

पेज 9 के शेष...

तुहामेटा-भालूकोना...

गर्भवती महिलाओं को होती है, जिन्हें प्रसव पीड़ा के समय चारपाई पर उठाकर भालूकोना लाना पड़ता है, तब जाकर उन्हें अस्पताल ले जाया जा सकता है। इन गांवों में कमार जनजाति के लोग रहते हैं, जो बांस के बर्तन, सूपे, टोकनी और झाड़ू बनाकर मैनपुर बाजार में बेचकर गुजारा करते हैं। **साफ पानी उपलब्ध कराने की मांग-** ग्राम पंचायत तुहामेटा के सरपंच सुबेसिंह सोरी और अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क निर्माण पूरा करने के साथ-साथ इन गांवों में आंगनवाड़ी भवन, बिजली, स्वास्थ्य सुविधा और पीने का साफ पानी उपलब्ध कराने की मांग की है।

फिंगेश्वर कृषि कॉलेज...

है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देना था, जिसे भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण धरोहर माना जाता है। कार्यक्रम में छात्रों को प्राचीन और आधुनिक युग के गुरु-शिष्य संबंधों के बारे में बताया गया। भगवान राम और गुरु वशिष्ठ, भगवान कृष्ण और सांदीपनि मुनि, एकलव्य और गुरु द्रोणाचार्य, चाणक्य और चंद्रगुप्त मौर्य। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और उनके शिक्षक शिवा सुब्रमण्य अय्यर, स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. अजीत मन्नाड़े ने गुरु-शिष्य परंपरा को भारतीय सभ्यता की रीढ़ बताया। उन्होंने कहा कि यह परंपरा न केवल ज्ञान का आदान-प्रदान करती है, बल्कि समाज को भी समृद्ध बनाती है। इस अवसर पर कॉलेज के द्वितीय वर्ष के छात्र राजकुमार मधुकर और तृतीय वर्ष की छात्रा सुदीक्षा तालुकदार ने भी अपने विचार रखे। इस आयोजन का मार्गदर्शन अधिष्ठाता डॉ. गिरिजेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम में सभी प्राध्यापक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ मौजूद थे।

अखंड ज्योति कलश...

जा रहा है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति, साधना और सेवा के संदेश को लोगों तक पहुँचाना है, ताकि मानवता में जागरूकता आए और लोगों के हृदय संवेदनशील बनें। यह यात्रा लोगों को गायत्री परिवार के आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों से जोड़ने का भी एक प्रयास है।इस अवसर पर गायत्री परिवार के कई सदस्य, जैसे प्रेमलाल साहू, हरिशंकर, यशवंत वर्मा, मंगल सेन, दशरथ साहू और अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

खबर संक्षेप

राम जानकी मंदिर रानीपरतेवा में सवनाही पाठ का समापन

मुड़ागांव (कोरासी)। श्री राम जानकी मंदिर रानीपरतेवा में सावन मास पर लगातार 20 वर्षों से सवनाही पाठ सुबह-शाम करते आ रहे हैं जिसके पूर्णाहुति शनिवार जलाभिषेक एवं परायण रक्षाबंधन पर्व के साथ किया गया वहीं एक मास महिला मंडल शाम 7:00 बजे रामायण पाठ किया गया। और सदस्यों द्वारा पाठ किया गया जिसके आचार्य पंडित विजय कुमार शुक्ला, ललित यादव, सोनसाय निषाद, नाथूराम साहू, जयराम साहू, भूषण साहू, प्रद्युम्न साहू, फूल सिंह निषाद, प्रकाश यादव, शिव विश्वकर्मा, फते निषाद, भुवनेश्वर निषाद, गिरधर साहू, महेश सिंन्हा, प्रहलाद निषाद, भूपेंद्रसाहू, मोहन साहू, परदेसी साहू, ललक साहू, टकेश्वर सिन्हा, संतोष सिंन्हा, जिवराखनसाहू, महेंद्र यादव, प्रहलाद यदु, रानीपरतेवा भाग लिया गया।

मृतक संत बाई के परिजनों को दी गई सहायता राशि

मुड़ागांव (कोरासी)। जिले के जनपद पंचायत छुरा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मड़ेली में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'श्रद्धांजलि योजना' के तहत सहायता राशि प्रदान की गई। ग्राम मड़ेली में संत बाई ठाकुर के निधन के बाद, उनके परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए तत्काल 2,000 रुपये की सहायता राशि दी गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत मड़ेली के सरपंच अशोक कुमार ध्रुव, जनपद पंचायत छुरा की अध्यक्ष मीरा ठाकुर और अन्य गणमान्य व्यक्ति जैसे ईश्वर निर्मलकर, वेशनारायण ठाकुर, पवन मरकाम, और तेजराम निर्मलकर भी मौजूद थे। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों के लिए है। इस योजना के तहत, यदि परिवार के मुखिया या किसी कमाने वाले सदस्य का निधन हो जाता है, तो उनके अंतिम संस्कार के लिए 2,000 रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता तुरंत परिवार को दी जाती है। इस पहल का उद्देश्य शोक संतप्त परिवारों को कठिन समय में थोड़ी आर्थिक मदद पहुंचाना है।

शीतला मंदिर में रामायण पाठ का हुआ आयोजन

मैनपुर। तहसील मुख्यालय मैनपुर से सटे गाँव हरदीभाठा में लगातार धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को गाँव के शीतला मंदिर में रामायण पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें हरदीभाठा के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान, सभी ग्रामीणों ने मिलकर धार्मिक कार्यक्रमों को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

कार्यक्रम : जनता और पुलिस के बीच मैत्री संबंध स्थापित करने पुलिस द्वारा कार्यक्रम

भविष्य में भी ग्रामीणों के विकास में सहयोग करेगी बटालियन : राधे श्याम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मैनपुर

- मैनपुर में सीआरपीएफ ने सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत बांटे रेडियो

जिले के अत्यधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्र में, सीआरपीएफ 65वीं बटालियन ने कमांडेंट राधे श्याम सिंह के निर्देशानुसार मैनपुर थाना क्षेत्र के ओड़ पहाड़ी इलाके के गांवों में 'सिविक एक्शन प्रोग्राम' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ओड़ और अमलोर गांव के ग्रामीणों ने, विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने, बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज और सूचना से वंचित क्षेत्रों के लोगों तक समाचार, शिक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुँचाना है। कार्यक्रम के अंतर्गत, ग्रामीणों को दैनिक जानकारी और मनोरंजन के लिए मुफ्त में रेडियो बांटे गए। रेडियो पाकर ग्रामीणों के चेहरों पर मुस्कान और संतोष साफ झलक रहा था, जो सीआरपीएफ के प्रति उनके आभार को दर्शाता है।

ग्रामीणों को भयमुक्त जीवन जीने के लिए किया गया प्रोत्साहित

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमांडेंट राधे श्याम सिंह ने कहा कि सीआरपीएफ न केवल आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि स्थानीय समुदायों के विकास और सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि रेडियो वितरण से ग्रामीणों को सूचना तक पहुंच मिलेगी और वे देश-दुनिया से जुड़ सकेंगे। कमांडेंट ने ग्रामीणों को नक्सलियों की गतिविधियों के बारे में भी बताया और उन्हें भयमुक्त जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सीआरपीएफ की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए ग्रामीणों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने यह भी बताया कि बटालियन भविष्य में भी नक्सल प्रभावित इलाकों के ग्रामीणों के विकास के लिए हमेशा सहयोग करेगी। उन्होंने सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को जल्द से जल्द पहुँचाने की प्रतिबद्धता जताई और ग्रामीणों से सुरक्षा बल के जवानों के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने की अपील भी की। इस कार्यक्रम में कमांडेंट राधे श्याम सिंह के अलावा, इंस्पेक्टर गगन, इंस्पेक्टर भँवर लाल मीना और अन्य जवान भी मौजूद थे। ग्रामीणों ने सीआरपीएफ के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहल से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

जय मां रमई पाठ सेवा समिति सोरिद खुर्द में पुनर्गठन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मुड़ागांव (कोरासी)

सोरिद खुर्द के रमई पाठ धाम में जय मां रमई पाठ सेवा समिति की बैठक रविवार दोपहर 12 बजे संपन्न हुई। इस बैठक में सभी सदस्यों ने मिलकर एकमत से समिति का पुनर्गठन करने का प्रस्ताव पारित किया। सर्वसम्मति से हुए इस चुनाव में नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। इसमें अध्यक्ष के रूप में हुलास राम साहू को चुना गया। वहीं पुनारद राम निर्मलकर को उपाध्यक्ष, हेमन्त सेन को कोषाध्यक्ष और मनीराम यादव को सचिव बनाया गया है। कान्हा-किशन सिन्हा को सह-सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। समिति के संरक्षक के रूप में तिलक राम सिन्हा, रेखाराम सिन्हा, और गेंदलाल पटेल को चुना गया है। इसके अलावा, संतोष कुमार सिन्हा, बलदाऊ राम नेताम, और संतराम निषाद को अंकेक्षक बनाया गया है। इस अवसर पर, समिति के सभी सदस्यों ने पुराने पदाधिकारियों को गुलाल लगाकर सम्मानपूर्वक विदाई दी और नए पदाधिकारियों का गुलाल लगाकर स्वागत किया। साथ ही, सुरेश निर्मलकर को रमई पाठ समिति का सेवक चुना गया है।

आजीविका संवर्द्धन के लिए लगाया गया कैंप

महासमुंद। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत नंदनवार के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत महासमुंद परिसर में एकदिवसीय क्रेडिट कैंप का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य स्व-सहायता समूहों एवं उनके सदस्यों को व्यक्तिगत उद्यम वित्त हेतु बैंक ऋण से जोड़ना था।

पेड़ वातावरण को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखते हैं : पूरन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फिंगेश्वर

बिजली स्कूल परिसर में वनविभाग ने लगाए 120 पौधे

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिजली में वन मंडल गरियाबंद के अंतर्गत वन परिक्षेत्र फिंगेश्वर वन विभाग के तत्वाधान में विद्यालय परिसर पर विभिन्न प्रकार के 120 फलदार, फूलदार एवं छायादार पौधारोपण किया गया जिसमे नीम, पीपल, बादाम बरगद, गुलमोहर, कटहल, पीपल, पारस पीपल, काजू, नीबू, बेल, जामुन के पौधे शामिल थे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ पदमा निषाद सरपंच ग्राम पंचायत बिजली, नंदू यादव सभापति जनपद पंचायत फिंगेश्वर एवं गजेन्द्र निषाद अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति द्वारा पूजा अर्चना एवं श्रीफल फोड़कर पीपल का पौधारोपण किया। तत्पश्चात संस्था के प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं छात्र-छात्राएं भी शामिल रहे। इस अवसर पर पूरन लाल साहू प्राचार्य ने कहा कि पेड़ पौधे वातावरण को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त रखते है। पौधा लगाना केवल एक क्रियाकलाप नहीं बल्कि यह प्रकृति से जुड़ने का संकल्प है।हमें न केवल पौधे लगाने चाहिए, बल्कि उनकी नियमित देखरेख भी हमारी जिम्मेदारी है।पदमा निषाद सरपंच ने कहा कि वृक्षारोपण का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना और पृथ्वी की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास को बढ़ावा देना है। अतः हम सभी को पौधा रोपण जरूर करना चाहिए। नंदू यादव जनपद सभापति ने कहा कि पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं।पर्यावरण हर किसी के जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि पर्यावरण से ही पृथ्वी पर जीवन संभव है। गजेन्द्र निषाद अध्यक्ष ने कहा कि पेड़ पौधे हमारे लिए जीवन रक्षक की तरह हैं।इसलिए वृक्ष के महत्व को समझते हुए हम सभी को अपने पर्यावरण को बचाने में सहयोग करते पौधा रोपण करना चाहिए। लिखन निषाद सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि आज लगातार वनों की कटाई होने के कारण पर्यावरण असंतुलित हो रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों पर मलेवा अंचल में भाजपा मंडल की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रसेला

मलेवा अंचल भाजपा मंडल द्वारा शुक्रवार को गायत्री मंदिर प्रांगण में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत प्रस्तावित तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अभियान को सफल बनाने की रणनीति पर गहन चर्चा हुई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में रिखीराम यादव (नगर पालिका गरियाबंद) और विशेष अतिथि के रूप में लालिमा ठाकुर (जिला पंचायत उपाध्यक्ष गरियाबंद) उपस्थित रहीं। मंडल अध्यक्ष शिवशंकर जयसवाल ने बैठक की अध्यक्षता की। इनके अतिरिक्त, पूर्व जिला उपाध्यक्ष पारस ठाकुर, वरिष्ठ कार्यकर्ता श्यामलाल सोरी, महामंत्री ईश्वर वर्मा, नारायण सिन्हा सहित क्षेत्र के समस्त भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी आमंत्रित अतिथियों का अक्षत और गुलाल लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मंडल अध्यक्ष जयसवाल ने बताया कि तिरंगा यात्रा को जनसामान्य से जोड़ने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार** किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इसमें आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी हो तथा पार्टी के सभी पुराने कार्यकर्ताओं को भी इसमें जोड़ा जाए। बैठक में यात्रा की तारीख, मार्ग, व्यवस्थापन, जनसंपर्क अभियान और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर गहन चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए एक ठोस रणनीति तैयार करना था। महामंत्री ईश्वर वर्मा और नारायण सिन्हा ने बताया कि सभी पदाधिकारियों ने अभियान को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए अपने सुझाव दिए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि क्षेत्र के हर घर तक तिरंगा पहुंचाने के लिए टीमें बनाई जाएंगी और सभी कार्यकर्ता रोजाना इस अभियान को सफल बनाने का प्रयास करेंगे। इस बैठक में दीपेश दीवान, भुवेन्द्र मरकाम, नारायण सिंह ठाकुर, परमेश्वर यादव, गैंदालाल दीवान, देवेन्द्र साहू, दयाराम निषाद, रोहित जगत, सुरेन्द्र ठाकुर, हेमंत नेताम, नारद कमार, कृष्ण लाल, रामेश्वर सिंह, जगतराम यादव, कृष्णा साहू, ठाकुर राम यादव, कृपाशंकर जयसवाल, पवन कोमर्रा सहित क्षेत्र के समस्त भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तिरंगा आन, बान और शान का प्रतीक

बैठक को संबोधित करते हुए रिखीराम यादव ने जोर दिया कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता ने राष्ट्रवाद की भावना को प्रबल किया है, उसी तरह हर घर तिरंगा अभियान को भी जन-जन से जोड़ना हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरे मनोयोग से अभियान में जुट जाने और इसे एक जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर ने कहा कि यह यात्रा न केवल स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, बल्कि राष्ट्रीय एकता और भारत की संप्रभुता का प्रतीक भी बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर तिरंगा फहराने के महत्व को समझाने और अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने की अपील की।

मड़ेली में मोर तिरंगा मोर अभियान पर कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मुड़ागांव (कोरासी)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंडल खड़मा, जिला गरियाबंद के तत्वावधान में 8 अगस्त, शुक्रवार को ग्राम मड़ेली के गायत्री मंदिर परिसर में 'मोर तिरंगा मोर अभियान' के तहत एक बैठक और कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य हर नागरिक के मन में देशभक्ति की भावना को जागृत करना और राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। अभियान के तहत देश के हर गाँव और वार्ड में तिरंगा फहराने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश साहू मौजूद रहे। अन्य वक्ताओं में भाजपा जिला गरियाबंद के मंत्री जगदीश यदु, जनपद पंचायत छुरा की अध्यक्ष मीरा ठाकुर, पूर्व मंडल अध्यक्ष पाण्डुका संदीप पांडेय, भाजपा मंडल खड़मा के अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, महामंत्री पालेन्द्र साहू, कोषाध्यक्ष तेजराम निर्मलकर और अन्य कार्यकर्तागण शामिल थे। बैठक में खेमलाल सिन्हा, मनहरण सिन्हा (बूथ अध्यक्ष मड़ेली), यादराम विश्वकर्मा, पुष्पलता सिन्हा (जनपद सदस्य छुरा), नीतू भोसले, और रेवती भुजिया (मंत्री भाजपा मंडल खड़मा) सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गिधनी सहित अंचल में मना रक्षाबंधन का पर्व

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मुड़ागांव (कोरासी)

भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन शनिवार को ग्राम गिधनी और आसपास के अंचल में धूमधाम और पारंपरिक तरीके से मनाया गया। इस पावन अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी आयु की कामना की। त्योहार को लेकर बहनों ने पहले से ही तैयारियां कर ली थीं, वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों के लिए उपहार खरीद लिए थे। सुबह-सुबह, सभी ने अपने कुल देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की। इसके बाद बहनों ने उपवास रखकर और श्रृंगार कर थाली सजाई, जिसमें राखियों के साथ रोली, हल्दी, चावल, दीपक और मिठाइयां रखी गईं। परंपरा के अनुसार, बहनों ने भाइयों को टीका लगाकर उनकी आरती उतारी और फिर उनकी दाहिनी कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान, उन्होंने भाइयों से जीवन भर सुख-दुःख में साथ निभाने का वचन लिया। भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार देकर हमेशा उनकी रक्षा करने का वादा किया। इस मौके पर मुंह मीठा करने का दौर भी चला। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में रक्षाबंधन को लेकर विशेष उत्साह और रौनक देखने को मिली। इस दौरान, सभी ने घर के बुजुर्गों के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर पुनितराम ठाकुर, प्रियांशु ठाकुर, डिगेश्वर ठाकुर, पंकज ठाकुर, लेमराज, लक्की, प्रियांश, और बहन भीमता, मीनाक्षी, टिमेश्वरी, भावना समेत कई लोग मौजूद थे।

विद्यार्थियों का समग्र विकास, आत्मनिर्भरता और रचनात्मकता विकसित भारत की नींव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| छुरा

ज्ञान प्राप्ति के लिए कोई सीमा न रखें

आईएसबीएम विश्वविद्यालय की विज्ञान संकाय द्वारा 7 अगस्त को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विज्ञान संकाय के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम अत्यंत विचारोत्तेजक, ज्ञानवर्धक एवं मार्गदर्शक रहा।

इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से जुड़े शिक्षकगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इसका उद्देश्य नीति की मूल भावना, संरचना, लक्ष्य और प्रभावी कार्यान्वयन को समझाना तथा विश्वविद्यालय स्तर पर इसे सफलता से लागू करने के उपायों पर चर्चा करना था। मुख्य वक्ताओं के विचार प्रोफेसर स. विश्वास ने भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि देश के तीन राज्य अब तक इस नीति को पूर्ण रूप से लागू नहीं कर पाए हैं। उन्होंने भारतीय परंपरा और मूल्यों को समझने और आत्मसात करने की आवश्यकता बताई। प्रोफेसर स्वामी ने नीति की अवधारणाओं, विचार प्रक्रिया और कौशल-आधारित शिक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की कल्पना को साकार करने के लिए विद्यार्थियों का समग्र विकास, आत्मनिर्भरता और रचनात्मकता आवश्यक है।

रजिस्ट्रार महोदय ने अनुभवात्मक अधिगम प्रणाली को समझाते हुए कहा कि ज्ञान केवल कक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि खेल, क्षेत्रीय भ्रमण और अनुभवजन्य विधियों के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि डिग्री केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण का समुच्चय है। कुलपति महोदय ने शिक्षक प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास, क्षमताओं के निर्माण एवं सकल नामांकन अनुपात जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे ज्ञान प्राप्ति के लिए कोई सीमा न रखें और आत्मचिंतन करते हुए भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने में योगदान दें। डॉ. पूनम वर्मा ने भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि हमें केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने 108 बार जप की वैज्ञानिकता और भारतीय संस्कृति की गहराई को समझाया। युगल किशोर ने नीति के सभी पक्षों पर चर्चा की तथा बहुभाषिक शिक्षा और समान शैक्षिक अवसरों की आवश्यकता को रेखांकित किया।